बम्बई ने प्रारंभिक जांच की थी और यह पाया कि जहाज के अन्दर इंजिन कक्ष में एक विस्फोट हुआ जिसके परिणाम स्वरूप चार व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। यद्यपि विस्फोट के सही-सही कारण का पता लगाना संभव नहीं हुआ है फिर भी ऐसा अनुमान है कि दुर्घटना इस जहाज के पम्प/इंजिन कक्ष में नैफ्था गैस के रिसाव के कारण हुई थी। वाष्प शील गैस होने के कारण नेफ्था ने आग पकड़ ली और दुर्घटना का कारण बनी।

(ख) दुर्घटना, एम॰ टी॰ नंदहरि जहाज में हुई, यह जहाज एस्सार शिपिंग कम्पनी का है। जहाज 1-7-92 को बूचर द्वीप में नं॰ 1 जे॰ पी॰ पर पहुंचा और डाक किया गया। जब जहाज में नैफ्था की लोडिंग शुरू हुई तब यह देखा गया कि विल्लेज साधारण रूप से बड़े थे। तत्काल मास्टर को सूचित किया गया और लोडिंग रोक दी गई थी। तथापि विस्फोट को रोका नहीं जा सका। बम्बई पत्तन न्यास के फायर ब्रिगेड द्वारा आग पर नियंत्रण किया गया।

कच्चे तेल के उत्पादन में गिरावट के संबंध में अध्ययन

1484. **श्री राम जेठमलानी :**

डा॰ जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कच्चे तेल के उत्पादन में आई गिरावट के संबंध में वर्ष 1992 के आरंभ में विश्व बैंक ने एक अध्ययन कराया था;

(ख) यदि हां, तो क्या इस अध्ययन दल द्वारा इस संबंध में बताए गए कारणों पर सरकार ने विचार किया है;

(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि अध्ययन दल के प्रतिवेदन में यह उल्लेख है कि देश की कच्चे तेल के क्षेत्र में 2 बिलियन डालर की हानि हुई है;

(घ) यदि हां तो अध्ययन दल ने अपने प्रतिवेदन में देश में कच्चे तेल के उत्पादन में आई गिरावट के क्या-क्या मुख्य कारण बताए हैं; और

(ङ) इस पर सरकार की प्रतिक्रिया क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी॰ शंकरानन्द) : (क) से (ङ) विश्व बैंक द्वारा तैयार किए गए आपन में तेल क्षेत्र में निवेश में कमी के बारे में उल्लेख किया गया है। गैस के दहन में कमी लाने के लिए तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने 3.2 बिलियन अमेरिकी डालर की अनुमानित लागत पर पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र में गैस दहन में कमी लाने की परियोजना को हाथ में लिया है। दहन में कमी लाने की परियोजनाएं गुजरात और असम में भी लागू की जा रहीं हैं। रिजर्वायर की स्थिति को कायम रखने के लिए एक विशेषज्ञ समिति के सुझाव के अनुसार तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपचारी उपाय हाथ में लिए हैं।

मुम्बई हाई के तेल कूपों के अध्ययन संबंधी दास गुप्ता समिति

1485. **श्री दोरेन जे॰ शाह :**

डा॰ जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मुम्बई हाई में तेल कुओं का अध्ययन करने हेतु 1990 में दासगुप्ता समिति गठित की गई थी;

(ख) यदि हां, तो क्या उक्त समिति ने अपना प्रतिवेदन सरकार को दे दिया है;

(ग) यदि हां, तो यह प्रतिवेदन कब स्तुत किया गया था तथा इसमें की गई सिफारिशों का ब्यौरा है

(घ) क्या सरकार ने समिति की सिफारिशों के अनुरूप कोई योजना तैयार की थी;

(ङ) यदि हां, तो वह योजना कब बनाई गई थी और उसका ब्यौरा क्या है; और

(च) यदि उपर्युक्त भाग (घ) का उत्तर "ना" है तो इसके क्या कारण हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री (बी० शंकरानन्द) : (क) जी हां।

(ख) और (ग) समिति की रिपोर्ट नवम्बर, 1990 में प्राप्त हुई थी। इसकी सिफारिशों में अन्य बातों के साथ-साथ ये शामिल हैं। भंडार के रिक्तिकरण के असंतुलन को ठीक किया जाना, कच्चे गैस तेल अनुपात सहित कूपों के बन्द होने के बाद वर्क ओवर कार्य किया जाना, अल्प पारगम्य क्षेत्रों से अधिक तेल निकालने के लिए प्रयोगिक कार्य किया जाना तथा पानी को सही तरीके से बहाने जैसे प्रतिकूल ढंग से विकसित प्रणाली को ठीक करने संबंधी प्रयास किया जाना आदि।

(घ) और (ङ) तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने अब वर्धित जल अंतः क्षेपण वर्क ओवर प्रचालन और उच्च जी० ओ० आर० कूपों को बंद करने जैसे आवश्यक उपचारी उपाय अपनाना शुरू किया है।

(च) प्रश्न नहीं उठता।

बरौनी तेल शोधक कारखाने की क्षमता का उपयोग

1486. श्री **गया सिंह** : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बरौनी तेल शोधक संयंत्र पिछले एक वर्ष से अपनी केवल 10 प्रतिशत उत्पादन क्षमता का उपयोग कर रहा है; और

(ख) यदि हां तो उसका ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) : (क) और (ख) : जी नहीं। 3.3 मी० टन की क्षमता की तुलना में वर्ष 1991-92 के दौरान रिफाइनरी में 2.26 मी० टन कच्चे तेल का संसाधन हुआ।

Exploration of New Gas Fields

1487. **SHRI CHIMANBHAI MEHTA :**
SHRI P. UPENDRA :
SHRIMATI MIRA DAS :
SHRI SARADA MOHANTY :

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the estimated balance of 730 BMCB recoverable gas would last for forty years only if it is exploited at the present rate;

(b) whether the rate of consumption of gas is likely to increase in future, if so, to what extent;

(c) whether any new gas fields are being explored; if so, the details thereof; and

(d) what is the estimated gas availability from Tapti Gas Fields and which regions are likely to consume this gas ?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI B. SHANKARANAND) : (a) At a production rate of approx. 40 MMSCMD, 730 billion cubic meters of recoverable gas would last for aprox. 50 years.

(b) Gas utilisation is estimated to go up to approximately 85 MMSCMD by 1996-97.

(c) Exploration by ONGC and OIL is continuing. Apart from this, Indian and foregin private companies have also been invited to participate in exploration for oil and gas.

(d) Approx. 3.5 MMSCMD. A decision on the development of Tapti field has not been taken.

Registered Demand of Gas

1488. **SHRI CHIMANBHAI MEHTA :**
SHRIMATI MIRA DAS :
SHRI SARADA MOHANTY :

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state :